Num

Chapter 30

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

אֲשֶׁר	הַדָּבָר	זֶה	לֵאמֹר	יִשְׂרָאֵל	לִבְנֵי	הַמַּטּוֹת	רָאשֵׁי	אֶל־	מֹשֶׁה	וַיְדַבֵּר
जो	बात	यह	कहते-हुए	इस्राएल	पुत्रों-के-लिए	गोत्रों-के	मुखियों-के	से	मूसा	और-बोला
H1697		H2088	H0559	H3478		H4294		H0413	H4872	H1696

יְהוָה׃	צִוָּה
यहोवा	आज्ञा-दी
H3068	H6680

मूसा ने सभी इस्राएली परिवार समूहों के नेताओं से बातें कीं। मूसा ने यहोवा के इन आदेशों के बारे में उनसे कहाः

2

עַל־	אִסָּר	לֶאְסֹר	שְׁבֻעָה	הִשָּׁבַע	אֹו־	לַיהוָה	נֶדֶר	יִדֹּר	כִּי־	אִישׁ
पर	बंधन	बांधने-को	शपथ	शपथ-खाएगा	या	यहोवा-के-लिए	मन्नत	मानेगा	जब	पुरुष
	H0632	H0631	H7621	H7650		H3068	H5088	H5087		H0376

יַעֲשֶׂה׃	מִפִּיו	הַיֹּצֵא	כְּכָל־	דְּבָרוֹ	יַחֵל	לֹא	נַפְשׁוֹ
वह-करेगा	मुंह-उसके-से	जो-निकला	सब-के-अनुसार	वचन-अपना	वह-तोड़ेगा	नहीं	प्राण-अपने
	H6310	H3318	H3605	H1697		H3808	H5315

"यदि कोई व्यक्ति परमेश्वर को विशेष वचन देता है या यदि वह व्यक्ति यहोवा को कुछ विशेष अर्पित करने का वचन देता है तो उसे वैसा ही करने दो। किन्तु उस व्यक्ति को ठीक वैसा ही करना चाहिए जैसा उसने वचन दिया है।

3

בִּנְעֻרֶיהָ׃	אָבִיהָ	בְּבֵית	אִסָּר	וְאָסְרָה	לַיהוָה	נֶדֶר	תִּדֹּר	כִּי־	וְאִשָּׁה
जवानी-उसकी-में	पिता-उसके	में-घर	बंधन	और-बांधेगी	यहोवा-के-लिए	मन्नत	मानेगी	जब	और-स्त्री
	H0001		H0632	H0631	H3068	H5088	H5087		H0802

"सम्भव है कि कोई युवती अपने पिता के घर पर ही रहती हो और वह युवती यहोवा को कुछ चढ़ाने का विशेष वचन देती है

4

נַפְשָׁהּ	עַל־	אָסְרָה	אֲשֶׁר	וֶאֱסָרָהּ	נִדְרָהּ	אֶת־	אָבִיהָ	וְשָׁמַע	
प्राण-उसके	पर	बांधा-उसने	जो	और-बंधन-उसका	मन्नत-उसकी	को	पिता-उसका	और-सुनेगा	
H5315		H0631		H0632	H5088	H0853	H0001	H8085	

אָסְרָה	אֲשֶׁר־	אִסָּר	וְכָל־	נִדְרֶיהָ	כָּל־	וְקָמוּ	אָבִיהָ	לָהּ	וְהֶחֱרִישׁ
बांधा-उसने	जो	बंधन	और-सब	मन्नतें-उसकी	सब	और-खड़ी-होंगी	पिता-उसका	उससे	और-चुप-रहेगा
H0631		H0632	H3605	H5088	H3605		H0001		

יָקֻמוּ׃	נַפְשָׁהּ	עַל־
खड़ी-होंगी	प्राण-उसके	पर
	H5315	

और उसका पिता इस वचन के विषय में सुनता है और उसे स्वीकार करत लेता है तो उस युवती को उस वचन को अवश्य ही पूरा कर देना चाहिए जिसे करने का उसने वचन दिया हैं।

5

אֲשֶׁר־	וֶאֱסָרֶיהָ	נִדְרֶיהָ	כָּל־	שָׁמְעוֹ	בְּיוֹם	אֹתָהּ	אָבִיהָ	הֶנִיא	וְאִם־	
जो	और-बंधन-उसके	मन्नतें-उसकी	सब	सुनने-अपने	दिन-में	उसे	पिता-उसका	रोकेगा	और-यदि	
	H0632	H5088	H3605	H8085	H3117	H0853	H0001	H5106		

אָבִיהָ	הֶנִיא	כִּי־	לָהּ	יְסַלַּח־	וַיהוָה	יָקֻמוּ	לֹא	נַפְשָׁהּ	עַל־	אָסְרָה
पिता-उसके	रोका	क्योंकि	उसे	क्षमा-करेगा	और-यहोवा	खड़ी-होंगी	नहीं	प्राण-उसके	पर	बांधा-उसने
H0001	H5106			H5545	H3068		H3808	H5315		H0631

אֹתָהּ׃
उसे
H0853

किन्तु यदि उसका पिता उसके दिये गये वचनों के बारे में सुन कर उसे स्वीकार नहीं करता तो उस युवती को वह वचन पूरा नहीं करना है। उसके पिता ने उसे रोका अतः यहोवा उसे क्षमा करेगा।

6

Hebrew	Hindi	Strong
וְאִם־	और-यदि	
הָי֤וֹ	होते-होते	H1961
תִֽהְיֶה֙	होगी	H1961
לְאִ֔ישׁ	पुरुष-के-लिए	H0376
וּנְדָרֶ֖יהָ	और-मन्नतें-उसकी	H5088
עָלֶ֑יהָ	उस-पर	
א֚וֹ	या	
מִבְטָ֣א	उच्चारण	H4008
שְׂפָתֶ֔יהָ	होंठों-उसके	H8193
אֲשֶׁ֥ר	जो	
אָסְרָ֖ה	बांधा-उसने	H0631
עַל־	पर	
נַפְשָֽׁהּ׃	प्राण-उसके	H5315

“सम्भव है कोई स्त्री अपने विवाह से पहले यहोवा को कोई वचन देती है अथवा बात ही बात में बिना सोचे विचारे कोई वचन ले लेती है और बाद में उसका विवाह हो जाता है

7

Hebrew	Hindi	Strong
וְשָׁמַ֥ע	और-सुनेगा	H8085
אִישָׁ֛הּ	पति-उसका	H0376
בְּי֥וֹם	दिन-में	H3117
שָׁמְע֖וֹ	सुनने-अपने	H8085
וְהֶחֱרִ֣ישׁ	और-चुप-रहेगा	
לָ֑הּ	उससे	
וְקָ֣מוּ	और-खड़ी-होंगी	
נְדָרֶ֗יהָ	मन्नतें-उसकी	H5088
וֶֽאֱסָרֶ֛הָ	और-बंधन-उसके	H0632
אֲשֶׁר־	जो	
אָסְרָ֥ה	बांधा-उसने	H0631
עַל־	पर	
נַפְשָׁ֖הּ	प्राण-उसके	H5315
יָקֻֽמוּ׃	खड़ी-होंगी	

और पति दिये गये वचन के बारे में सुनता है और उसे स्वीकार करता है तो उस स्त्री को अपने दिये गए वचन के अनुसार काम को पूरा करना चाहिए।

8

Hebrew	Hindi	Strong
וְאִ֠ם	और-यदि	
בְּי֨וֹם	दिन-में	H3117
שְׁמֹ֣עַ	सुनने	H8085
אִישָׁהּ֮	पति-उसका	H0376
יָנִ֣יא	रोकेगा	H5106
אוֹתָהּ֒	उसे	H0853
וְהֵפֵ֗ר	और-तोड़ेगा	
אֶת־	को	H0853
נִדְרָהּ֙	मन्नत-उसकी	H5088
אֲשֶׁ֣ר	जो	
עָלֶ֔יהָ	उस-पर	
וְאֵת֙	और-को	H0853
מִבְטָ֣א	उच्चारण	H4008
שְׂפָתֶ֔יהָ	होंठों-उसके	H8193
אֲשֶׁ֥ר	जो	
אָסְרָ֖ה	बांधा-उसने	H0631
עַל־	पर	
נַפְשָׁ֑הּ	प्राण-उसके	H5315
וַֽיהוָ֖ה	और-यहोवा	H3068
יִֽסְלַֽח־	क्षमा-करेगा	H5545
לָֽהּ׃	उसे	

किन्तु यदि पति दिये गए वचन के बारे में सुनता है और उसे स्वीकार नहीं करता तो स्त्री को अपने दिये गए वचन को पूरा नहीं करना पड़ेगा। उसके पति ने उसका वचन तोड़ दिया और उसने उसे उसकी कही बात को पूरा नहीं करने दिया, अतः यहोवा उसे क्षमा करेगा।

9

Hebrew	Hindi	Strong
וְנֵ֥דֶר	और-मन्नत	H5088
אַלְמָנָ֖ה	विधवा-की	H0490
וּגְרוּשָׁ֑ה	और-त्यागी-की	H1644
כֹּ֛ל	सब	H3605
אֲשֶׁר־	जो	
אָסְרָ֥ה	बांधा-उसने	H0631
עַל־	पर	
נַפְשָׁ֖הּ	प्राण-उसके	H5315
יָק֥וּם	खड़ी-होगी	
עָלֶֽיהָ׃	उस-पर	

“कोई विधवा या तलाक दी गई स्त्री विशेष वचन दे सकती है। यदि वह ऐसा करती है तो उसे ठीक अपने वचन के अनुसार करना चाहिए।

10

Hebrew	Hindi	Strong
וְאִם־	और-यदि	
בֵּ֥ית	घर-में	
אִישָׁ֖הּ	पति-उसके	H0376
נָדָ֑רָה	मानी-उसने	H5087
אוֹ־	या	
אָסְרָ֥ה	बांधा-उसने	H0631
אִסָּ֛ר	बंधन	H0632
עַל־	पर	
נַפְשָׁ֖הּ	प्राण-उसके	H5315
בִּשְׁבֻעָֽה׃	शपथ-में	H7621

“एक विवाहित स्त्री यहोवा को कुछ चढ़ाने का वचन दे सकती है।

11

Hebrew	Hindi	Strong
וְשָׁמַ֤ע	और-सुनेगा	H8085
אִישָׁהּ֙	पति-उसका	H0376
וְהֶחֱרִ֣שׁ	और-चुप-रहा	
לָ֔הּ	उससे	
לֹ֖א	नहीं	H3808
הֵנִ֣יא	रोका	H5106
אֹתָ֑הּ	उसे	H0853
וְקָ֙מוּ֙	और-खड़ी-होंगी	
כָּל־	सब	H3605
נְדָרֶ֔יהָ	मन्नतें-उसकी	H5088
וְכָל־	और-सब	H3605
אִסָּ֛ר	बंधन	H0632
אֲשֶׁר־	जो	
אָסְרָ֥ה	बांधा-उसने	H0631
עַל־	पर	
נַפְשָׁ֖הּ	प्राण-उसके	H5315
יָקֽוּם׃	खड़ी-होगी	

यदि उसका पति दिये गए वचन के बारे में सुनता है और उसे अपने वचन को पूरा करने देता है, तो उसे ठीक अपने दिए गए वचनों के अनुसार ही वह कार्य करना चाहिए।

12

וְאִם־	הָפֵר	יָפֵר	אֹתָם׀	אִישָׁהּ	בְּיוֹם	שָׁמְעוֹ	כָּל־	מוֹצָא	שְׂפָתֶיהָ
और-यदि	तोड़ते-तोड़ते	तोड़ेगा	उन्हें	पति-उसका	दिन-में	सुनने-अपने	सब	उच्चारण	होंठों-उसके
			H0853	H0376	H3117	H8085	H3605	H4161	H8193

לִנְדָרֶיהָ	וּלְאִסַּר	נַפְשָׁהּ	לֹא	יָקוּם	אִישָׁהּ	הֲפֵרָם	וַיהוָה	יִסְלַח־
मन्नतों-उसकी-के-लिए	और-बंधन-को	प्राण-उसके	नहीं	खड़ी-होगी	पति-उसके	तोड़ा-उन्हें	और-यहोवा	क्षमा-करेगा
H5088	H0632	H5315	H3808		H0376		H3068	H5545

לָהּ׃
उसे

किन्तु यदि उसका पति उसके दिये गए वचन को सुनता है और उसे वचन पूरा करने से इन्कार करता है, तो उसे अपने दिये वचन के अनुसार वह कार्य पूरा नहीं करना पड़ेगा। इसका कोई महत्व नहीं होगा कि उसने क्या वचन दिया था, उसका पति उस वचन को भंग कर सकता है। यदि उसका पति वचन को भंग करता है, तो यहोवा उसे क्षमा करेगा।

13

כָּל־	נֵדֶר	וְכָל־	שְׁבֻעַת	אִסָּר	לְעַנֹּת	נָפֶשׁ	אִישָׁהּ	יְקִימֶנּוּ	וְאִישָׁהּ
सब	मन्नत	और-सब	शपथ	बंधन-का	दुखित-करने-को	प्राण	पति-उसका	स्थिर-करेगा-उसे	और-पति-उसका
H3605	H5088	H3605	H7621	H0632		H5315	H0376		H0376

יְפֵרֶנּוּ׃
तोड़ेगा-उसे

एक विवाहित स्त्री यहोवा को कुछ चढ़ाने का वचन दे सकती है या स्वयं को किसी चीज़ से वंचित रखने का वचन दे सकती है या वह परमेश्वर को कोई विशेष वचन दे सकती हैं। उसका पति उन वचनों में से किसी को रोक सकता है या पति उन वचनों में से किसी को पूरा करने दे सकता है।

14

וְאִם־	הַחֲרֵשׁ	יַחֲרִישׁ	לָהּ	אִישָׁהּ	מִיּוֹם	אֶל־	יוֹם	וְהֵקִים	אֶת־	כָּל־
और-यदि	चुप-रहते-रहते	चुप-रहेगा	उससे	पति-उसका	दिन-से	को	दिन	और-स्थिर-करेगा	को	सब
				H0376	H3117	H0413	H3117		H0853	H3605

נְדָרֶיהָ	אוֹ	אֶת־	כָּל־	אֱסָרֶיהָ	אֲשֶׁר	עָלֶיהָ	הֵקִים	אֹתָם	כִּי־	הֶחֱרִשׁ	לָהּ
मन्नतों-उसकी	या	को	सब	बंधनों-उसके	जो	उस-पर	स्थिर-किए	उन्हें	क्योंकि	चुप-रहा	उससे
H5088		H0853	H3605	H0632				H0853			

בְּיוֹם	שָׁמְעוֹ׃
दिन-में	सुनने-अपने
H3117	H8085

पति अपनी पत्नी को कैसे अपने वचन पूरा करने देगा यदि वह दिये वचन के बारे में सुनता है और उन्हें रोकता नहीं है तो स्त्री को अपने दिए वचन के अनुसार कार्य को पूरा करना चाहिए।

15

וְאִם־	הָפֵר	יָפֵר	אֹתָם	אַחֲרֵי־	שָׁמְעוֹ	וְנָשָׂא	אֶת־	עֲוֹנָהּ׃
और-यदि	तोड़ते-तोड़ते	तोड़ेगा	उन्हें	बाद-में	सुनने-अपने	और-वह-उठाएगा	को	अपराध-उसका
			H0853		H8085	H5375	H0853	H5771

किन्तु यदि पति दिये गए वचन के बारे में सुनता है और उन्हें रोकता है तो उसके वचन तोड़ने का उत्तरदायित्व पति पर होगा।”

16

אֵלֶּה	הַחֻקִּים	אֲשֶׁר	צִוָּה	יְהוָה	אֶת־	מֹשֶׁה	בֵּין	אִישׁ	לְאִשְׁתּוֹ	בֵּין־	אָב
ये	विधियां	जो	आज्ञा-दी	यहोवा	को	मूसा	बीच	पुरुष	और-पत्नी-उसकी	बीच	पिता
H0428	H2706		H6680	H3068	H0853	H4872	H0996	H0376	H0802	H0996	H0001

לְבִתּוֹ	בִּנְעֻרֶיהָ	בֵּית	אָבִיהָ׃	פ
और-बेटी-उसकी	जवानी-उसकी-में	घर-में	पिता-उसके	—
H1323			H0001	

ये आदेश है जिन्हें यहोवा ने मूसा को दिया। ये आदेश एक व्यक्ति और उसकी पत्नी के बारे में है तथा पिता और उसकी उस पुत्री के बारे में है जो युवती हो और अपने पिता के घर में रह रही हो।